रूस के साथ जोखिमपूर्ण व्यापारिक कारोबार

822. **श्री सोमपाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारतीय व्यापारियों और औद्योगिक निवेशकों को रूस के साथ व्यापारिक कारोबार करने और उस देश में पूंजी निवेश करने में कई प्रकार के आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार अपने देश के व्यापारियों और औद्योगिक निवेशकों के हितों की सुरक्षा हेतु क्या ठोस कदम उठा रही है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) से (ग) भारत सरकार भारतीय व्यापारियों और निवेशकर्ताओं के सामने आ रही विभिन्न बाधाओं के मुद्दे पर रूसी प्राधिकारियों के साथ निरन्तर बातचीत करती रही है और दोनों सरकारें इन समस्याओं के समाधान के लिये काम करती रही हैं। ईसीजीसी द्वारा भारतीय निर्यातकों को सीमित आधार पर निर्यात बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, भारत सरकार और रूस सरकार इस बात पर सहमत हुई है कि एक द्विपक्षीय पूंजी निवेश संवर्धन एवं पारस्परिक संरक्षण करार यथाशीघ्र संपन्न किया जाए। यदि एक बार यह करार संपन्न हो जाता है तो यह भारतीय निवेशकर्ताओं और व्यापारी समुदाय के हितों को संरक्षण प्रदान करेगा।

विदेश व्यापार

823. **श्री सोमपाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान अब तक भारत के विदेश व्यापार संबंधी उद्यतन स्थिति क्या है ;

(ख) हमारे देश का अब तक का आयात और निर्यात डालर मूल्य में कितना हुआ है और गत वर्ष के इन्हीं महीनों की तुलना में आयात और निर्यात में कितनी वृद्धि अथवा ह्रास हुआ है;

(ग) आज तक की स्थिति के अनुसार भुगतान संतुलन की स्थिति क्या है ; और

(घ) चालू वर्ष के शेष महीनों में व्यापार की गति किस प्रकार की होने की संभावना है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) अप्रैल-मई, 1994 की अवधि वह अवधि है जिसके लिये ऐसे कुल व्यापार आंकड़े प्रकाशित किये गये हैं और इस अवधि के भारतीय निर्यात, आयात और व्यापार संतुलन के ब्यौरे नीचे दिये जा रहे हैं:—

	अप्रैल-मई, 1994	
	करोड़ रु०	मिलियन अमरीकी डालर
निर्यात	11898* (9.8%)	3793* (9.7%)
आयात	12181* (12.2%)	3883* (12.1*)
व्यापार संतुलन	−283	−90

* : कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े अप्रैल-मई, 1993 की अवधि की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।

(ग) चालू वित्तीय वर्ष के लिये भुगतान संतुलन के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 1993–94 के लिये चालू खाता घाटे का अस्थायी अनुमान 230 मिलियन अमरीकी